of Physicians from Indian origin (AAPI) which was held in Chicago between 29th June to 2nd July 1995, a proposal was made to enlarge the role of NRI doctors belonging to the Association in the programme of Continuing Medical Education (CME) in India. Suggestions for enlarging the scope of collaborative efforts in the field of medical education and clinical practice have also been received from doctors of Indian origin settled in United States of America and the United Kingdom. These suggestions are under consideration.

Distribution of Underweight goods through Kendriya Bhandar

1716. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received complaints that underweight goods and ration are being distributed to the consumers through Kendriya Bhandar in Delhi/New Delhi, particularly in Kali Bari, Kendriya Bhandar;

(b) whether there is any proposal to conduct surprise inspection of the fair price shops operating under Kendriya Bhandar; and

(c) if not, the alternate measures proposed to be taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS (SHRIMATI MARGARET ALVA): (a) Yes, Sir. Since January 1995, two complaints have been received, one of which pertains to Kali Bari.

(b) The inspection of branch stores covering all aspects is carried out by the designated officers of Kendriya Bhandar on monthly basis. Surprise inspections of the Fair Price Shops attached to Kendriya Bhandar are also carried out whenever any matter of serious concern comes to the notice of the Management.

(c) Does not arise.

पारम्परिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग

1717. **श्री सोमपाल:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को पारंपरिक प्रौद्योगिकी के चतुर्मुखी विकास के संबंध में एक वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० हरि नारायण की एक वैज्ञानिक प्रस्तुति के बारे में जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने उस पर विचार करते हुए उसकी उपयोगिता का मूल्यांकन किया है;

(ग) यदि हां, तो उसका कार्यान्वयन करने के लिए सरकार की क्या योजना है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके विस्तृत कारण क्या हैं?

प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री और परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश चतुर्वेदी): (क) राष्ट्रीय भूभौतिक अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के भूतपूर्व निदेशक डा० हरि नारायण द्वारा "इंटीग्रेटेड साइंस एंड टेक्नॉलाजी अप्रॉच फॉर रूरल डेवलपमेंट" पर शोध-पत्र तैयार किया था। इस शोध-पत्र में विशेषज्ञों, तकनीशियनों तथा विस्तार-कामगारों के जिला स्तरीय कार्यदल के गठन से स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, आवास तथा शिक्षा के क्षेत्रों में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी आधारित जिला स्तरीय विकास की लघु तथा दीर्घकालीन दोनों प्रकार की परियोजनाओं के निष्पादन की आवश्यकता की रूपरेखा दी गई थी। चूंकि इस संकल्पना में बहु-अभिकरणीय तथा बहुविषयक निवेश विशेषतौर पर संबंधित राज्यों सरकारों से प्राप्त होने वाले निदेश सम्मिलित थे, इस शोध-पत्र के लेखक को यह सुझाव दिया गया कि वह अपने इस प्रस्ताव को योजना आयोग को भेजें ताकि योजना आयोग इसकी संभाव्यता तथा उपयोगिता की दृष्टि से मूल्यांकन कर सके।

(ख) से (घ) इस प्रस्ताव के विधिवत मूल्यांकन किए जाने तथा उसके कार्यान्वयन योग्य पाए जाने पर ही इस दिशा में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय सहायता प्रदान की जा सकती है।